Series : ABCD3/1

SET – 3

प्रश्न–पत्र कोड **2/1/3**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं ।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में 7 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

*

हिन्दी (आधार)
HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **2** घण्टे* | *अधिकतम अंक : **40***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न–पत्र में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं ।

*(ii) इस प्रश्न–पत्र में **दो** खंड हैं । **खंड–क** और **खंड–ख** ।*

*(iii) इस प्रश्न–पत्र में कुल **07** प्रश्न पूछे गए हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

(iv) प्रश्नों में आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं । निर्देशानुसार उत्तर दीजिए ।

खंड – क

(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन) (20)

1. निम्नलिखित दिए गए तीन शीर्षकों में से **किसी एक** शीर्षक का चयन कर लगभग **150-200** शब्दों का एक रचनात्मक लेख लिखिए : $1 \times 5 = 5$

- कोविड टीकाकरण केंद्र का दृश्य
- जीवन में प्रतिस्पर्धा की भूमिका
- स्कूल के बाहर स्टेशनरी की दुकान

2. (a) आप जिस कॉलोनी में रहते हैं उसमें स्थित पार्क बहुत ही जर्जर अवस्था में है । पेड़-पौधे और घास अव्यवस्थित है । नगर-निगम अधिकारी को पार्क की व्यवस्था और रख-रखाव के लिए पत्र लिखिए । **5**

*

अथवा

(b) सरकार द्वारा किए गए लिंग-अनुपात सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि देश में लड़कियों के जन्म प्रतिशत दर में गत वर्षों की तुलना में वृद्धि हुई है । लड़कियों की बढ़ती संख्या पर संतोष प्रकट करते हुए किसी दैनिक हिंदी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । **5**

3. (i) (a) कहानी और नाटक के समान तत्त्वों का उल्लेख करते हुए बताइए कि दोनों में क्या अंतर हैं ? **3**

अथवा

(b) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्य विभाजन किन आधारों पर किया जाता है ? **3**

(ii) (a) रेडियो नाटक के लेखन तथा सिनेमा और रंगमंच के लेखन में क्या अंतर है ? रेडियो नाटक के लेखन में संप्रेषण कैसे होता है ? **2**

अथवा

(b) रेडियो नाटक लेखन हेतु कहानी का चयन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? **2**

4. (i) (a) पत्रकारीय लेखन साहित्यिक लेखन से किस प्रकार भिन्न है ? स्पष्ट कीजिए । **3**

अथवा

(b) समाचार लेखन की उलटा-पिरामिड शैली की विशेषता का उल्लेख कीजिए । **3**

(ii) (a) एक सफल साक्षात्कार के लिए साक्षात्कारकर्ता में किन गुणों का होना आवश्यक है ? **2**

अथवा

(b) स्तंभ लेखन किसे कहते हैं ? समझाइए । **2**

खंड – ख

(पाठ्य–पुस्तक और अनुपूरक पाठ्य–पुस्तक) **(20)**

5. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **50-60** शब्दों में लिखिए : **(2 × 3 = 6)**

   (i) 'उषा' कविता में कवि ने प्रात:कालीन प्रकृति का मनोहारी चित्रण किया है । कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **3**

   (ii) 'लक्ष्मण–मूर्च्छा और राम का विलाप' पाठ में आए "जैहऊँ अवध कवन मुँहु लाई" काव्यांश के आधार पर बताइए कि अवध लौटने में राम को क्यों संकोच हो रहा था ? **3**

   (iii) 'रुबाइयाँ' कविता के आधार पर बालक की हठ और माँ द्वारा बच्चे को बहलाने की कोशिश का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए । **3**

6. निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **50-60** शब्दों में लिखिए : **(3 × 3 = 9)**

   (i) 'लुट्टन पहलवान द्वारा रात्रि में बजायी जाने वाली ढोलक महामारी से जूझ रहे लोगों को लड़ने का हौसला कैसे देती थी' ? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **3**

   (ii) "सीमाएँ बँट जाने से दिल नहीं बँट सकते" कथन को 'नमक' कहानी के साक्ष्यों के आधार पर सिद्ध कीजिए । **3**

   (iii) 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' के आधार पर बताइए कि लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप किसे कहा गया है । **3**

   (iv) श्रम और श्रमिक विभाजन का बुनियादी अंतर 'श्रम–विभाजन और जाति–प्रथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **3**

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(3 + 2 = 5)**

   (i) (a) "टूटे–फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ–साथ धड़कती ज़िंदगी के अनछुए समयों का भी दस्तावेज होते हैं ।" इस कथन की समीक्षा 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर कीजिए । **3**

   अथवा

   (b) 'ऐन फ्रैंक की डायरी' एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है । इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए । **3**

   (ii) (a) पुरातत्त्व के किन चिह्नों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि – "सिंधु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी ।" **2**

   अथवा

   (b) 'डायरी के पन्ने' पाठ में औरतों को वीर सिपाहियों से अधिक मजबूत और बहादुर क्यों कहा गया है ? **2**

*

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट टर्म - II परीक्षा, 2022

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
7. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-40 (उदाहरण 0-40 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **30** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं ।

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

13. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

14. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

15. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

16. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है ।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

मार्च -2022

अंक योजना : हिंदी आधार प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 40

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओ से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें , तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				खंड - क **(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन)**	
प्रश्न 1	1	1	1	**किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख अपेक्षित** • भूमिका • विषयवस्तु • भाषा	1 3 1 5
प्रश्न 2	2	2	2	**पत्र लेखन** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ • विषयवस्तु • भाषा	1 3 1 5
प्रश्न 3	3i(a)	4i(a)	3i(a)	समानता • एक कथानक • पात्र • परिवेश • क्रमिक विकास • संवाद • द्वंद्व और • चरम उत्कर्ष अंतर • कहानी का संबंध लेखक और पाठक से है , वहीं नाटक लेखक , निर्देशक , पात्र , दर्शक , श्रोता एवं अन्य लोगों को एक - दूसरे से जोड़ता है । • कहानी कही , पढ़ी या सुनी जाती है । • नाटक मंच पर प्रस्तुत किया जाता है । • नाटक में मंच सज्जा , संगीत, ध्वनि और प्रकाश की व्यवस्था होती है ।	1½+1½ 3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	**2/1/2**	**2/1/3**		
	अथवा i(b)	**अथवा 4i(b)**	**अथवा i(b)**	**कहानी के नाट्य रूपांतरण** • कहानी की कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित करके • एक स्थान और समय पर वर्णित घटना को एक ही दृश्य में सम्मिलित करके • कथाक्रम और विकास को ध्यान में रखकर • प्रत्येक दृश्य कथानक के औचित्य के अनुरूप रखकर • पात्रों की भाषा एवं परिवेश के आधार पर • पात्रों के मनोभाव /मानसिक द्वंद्व के दृश्यों की नाटकीय प्रस्तुति 'वॉयस ओवर' के माध्यम से • कहानी के पात्रों की दृश्यात्मकता और नाटक के पात्रों में उसका प्रयोग करके **(कोई भी तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	ii(a)	**4ii(a)**	**ii(a)**	• रेडियो नाटक श्रव्य माध्यम है, सिनेमा व रंगमंच की तरह इसमें विजुअल्स अर्थात् दृश्य नहीं होते । • रेडियो नाटक में सब कुछ संवादों और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से संप्रेषित होता है । • यहाँ न मंच सज्जा है न वस्त्र सज्जा और न ही भाव-भंगिमाएँ। सब कुछ ध्वनि के माध्यम से ही संप्रेषित होता है । • रंगमंच एवं सिनेमा की तरह इसमें एक्शन की गुंजाइश नहीं होती है । • रेडियो नाटक की अवधि एवं पात्रों की संख्या सीमित होती है। • इसमें पात्र संबंधी विविध जानकारी संवाद एवं ध्वनि संकेतों के माध्यम से दी जाती है । **(कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)**	**1+1=2**
	अथवा ii(b)	**अथवा 4ii(b)**	**अथवा ii(b)**	• कहानी सिर्फ घटना प्रधान न हो • उसकी अवधि बहुत ज्यादा न हो • पात्रों की संख्या सीमित हो **(कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	**2/1/2**	**2/1/3**		
4	**4i(a)**	**3i(a)**	**4i(a)**	• पत्रकारीय लेखन में तथ्यों का महत्त्व होता है | इसका संबंध समसामयिक और वास्तविक घटनाओं , समस्याओं और मुद्दों से होता है , वहीं साहित्यिक लेखन का संबंध रचनाकार की सोच और कल्पना से होता है | • पत्रकारीय लेखन के पाठकों का क्षेत्र विस्तृत होता है , साहित्यिक लेखन के पाठकों का क्षेत्र सीमित होता है | • पत्रकारीय लेखन की भाषा सरल , सहज एवं बोधगम्य होती है , जबकि साहित्यिक लेखन की भाषा आलंकारिक व संस्कृतनिष्ठ भी हो सकती है | • पत्रकारीय लेखन तात्कालिक घटनायें, परिस्थिति और पाठकों की रुचियों एवं ज़रुरतों को ध्यान में रखकर किया जाने वाला लेखन है, जबकि साहित्यिक लेखन में रचनाकार को अपने विचार रखने की स्वतंत्रता होती है । **(कोई भी तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	अथवा **i(b)**	**अथवा** **3i(b)**	**अथवा** **i(b)**	• उलटा पिरामिड शैली समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली है। • इसमें महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना 'यानी क्लाइमेक्स' सबसे पहले आता है । • शेष बातें क्रमानुसार बाद में आती है।	**3**
	ii(a)	3**ii(a)**	**ii(a)**	एक सफल साक्षात्कार के लिए साक्षात्कारकर्ता के पास केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि उसमें संवेदनशीलता, मृदुभाषिता, कूटनीतिज्ञता, धैर्य और साहस, समन्वयता जैसे गुण भी आवश्यक हैं। **(कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	अथवा ii(b)	**अथवा** **3**ii(b)	**अथवा** ii(b)	• स्तंभ लेखन विचारपरक लेखन का एक प्रमुख रूप है। • स्तंभ का विषय चुनने और उसमें अपने विचार व्यक्त करने की स्तंभ लेखक को छूट होती है। • स्तंभ में लेखक के विचार अभिव्यक्त होते हैं। यही कारण है कि स्तंभ अपने लेखकों के नाम से भी जाने जाते हैं। **(कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				<u>खंड - ख</u> **(पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)**	
प्रश्न 5	**5 (i)**	**--**	**--**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)** 'उषा' कविता में प्रयुक्त उपमान • नीले शंख के समान • राख से लीपा हुआ चौका • केसर मली हुई काली सिल • लाल खड़िया चाक मली हुई काली स्लेट उपरिलिखित सभी उपमान ग्रामीण जीवन की गतिशीलता को व्यक्त करते हैं।	**3**
	(ii)	**--**	**--**	भाई के शोक में राम का विलाप धीरे-धीरे प्रलाप में बदल जाता है। यह प्रसंग ईश्वर राम में मानव-सुलभ गुणों का समन्वय कर देता है। वे सामान्य मनुष्यों की भाँति विचलित होकर ऐसे वचन कहते हैं जो मानव प्रवृति हैं, जैसे वन में तुम्हारा विछोह सहन करना पड़ेगा, तो पिता के वचन ही नहीं मानता आदि।	**3**
	(iii)	**--**	**--**	• 'गोदभरी' शब्द-प्रयोग माँ के वात्सल्ययुक्त, आनंदित स्वरूप, उत्साह, प्रेम-भाव को प्रकट करता है। • यह सुंदर दृश्य-बिंब का उदाहरण है। • गोद भरी होना माँ के लिए असीम सौभाग्य का सूचक है, जो माँ को तृप्ति दे रहा है।	**3**
	--	**5(i)**	**--**	• भोर का नभ राख से लीपा चौका (दोनों गहरे सलेटी रंग के हैं और नमी से युक्त हैं) • लाल केसर से धुली काली सिल (दोनों ही लालिमा युक्त हैं) • लाल खड़िया चाक से मली हुई काली स्लेट • प्रातः काल के स्वच्छ , निर्मल आकाश में सूर्य ऐसा प्रतीत होता है मानो नीले जल में कोई गौर वर्ण वाली युवती हो | (वर्ण साम्यता के आधार पर)	**3**
	--	**(ii)**	**--**	पेट की आग–अर्थात भूख। पेट की आग की विशालता और भयावहता को स्पष्ट करने के लिए तुलसीदास जी ने बड़वाग्नि (समुद्र की अग्नि) का सहारा लिया है। पेट की आग समुद्र की अग्नि से भी बड़ी है क्योंकि इससे विवश होकर लोग नैतिक-अनैतिक सभी प्रकार के कार्य करने के लिए विवश हो जाते हैं। यहाँ तक कि भूख मिटाने के लिए अपने बच्चों को भी बेच देते हैं।	**3**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	--	(iii)	--	उपरिलिखित पंक्ति के आधार पर शायर का किस्मत के साथ तना-तनी का रिश्ता स्पष्ट हुआ है। कवि अपने जीवन की असफलताओं के लिए भाग्य को दोषी ठहराता है। वह अपने भाग्य से कभी संतुष्ट नहीं रहा। दूसरी ओर उसकी किस्मत भी उसकी अकर्मण्यता को देखकर झल्लाती है। दोनों एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हैं। कवि अपनी बदहाली के लिए किस्मत को दोषी मानता है और किस्मत उसके पुरुषार्थ न करने को दोषी मानती है ।	3
	--	--	5(i)	'उषा' कविता में भोर का नभ कभी शंख जैसा प्रतीत होता है, तो कभी राख से लीपे हुए चौके की भाँति दिखाई देता है, जिसमें पवित्रता, निर्मलता और उज्ज्वलता है। सूर्य के उदित होते ही आसमान में बिखरी लाली कभी काली सिल के केसर से धुली होने का अहसास करवाती है तो कभी काली स्लेट पर बच्चों द्वारा लाल खड़िया मलने का। नीले आकाश में सूर्य को देख ऐसा लगता है मानो किसी गौर वर्ण स्त्री की देह झिलमिला रही हो। इस प्रकार कवि ने इस कविता में प्रातःकालीन नभ का जादुई वर्णन किया है।	3
	--	--	(ii)	अवध लौटने में राम के संकोच का कारण लक्ष्मण के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह ठीक से न कर पाना है। वनवास के लिए निकलने से पूर्व माता सुमित्रा ने लक्ष्मण का हाथ, उसकी जिम्मेदारी राम को सौंपी थी। राम भ्रातृप्रेम के कारण लक्ष्मण की मूर्च्छा को स्वयं के लिए लज्जाजनक स्थिति मान रहे थे। उन्हें ऐसा लग रहा था कि अयोध्या जाकर माता सुमित्रा और अयोध्या वासियों का सामना कैसे करेंगे? लोग कहेंगे कि नारी के लिए राम ने अपने छोटे भाई का जीवन दाँव पर लगा दिया। एक तरफ अनुज के वियोग का दुख और दूसरी तरफ भाई के प्राण गँवाने का अपयश ही राम के संकोच का कारण था ।	3
	--	--	(iii)	बालक अपनी माँ से आसमान में चमक रहे चाँद को लेने की हठ कर रहा है। वह शायद चाँद को कोई खिलौना समझ रहा है या उसकी चमक से प्रभावित हो गया है। माँ बड़ी ही सूझ-बूझ से इस स्थिति को सँभालती है। पहले वो उसे बहलाने-फुसलाने की कोशिश करती है। सफलता प्राप्त न होने पर वह दर्पण में चाँद का प्रतिबिंब दिखाकर उसे बहलाती है। बालक दर्पण में चाँद की परछाईं देखकर शांत हो जाता है, खेलने लग जाता है।	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
प्रश्न 6	6 (i)	--	--	दोनों बेटों की मृत्यु के बाद भी ढोलक बजाने के कारण - • हैजे से पीड़ित गाँव वालों में जिजीविषा पैदा करना • उनमें उत्साह का संचार करना • मौत के सन्नाटे को चीरना • जीवन के उत्साह को बनाए रखना **(कोई भी तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ii)	--	--	• भले ही सीमाओं के आधार पर भारत और पाकिस्तान को भौगोलिक रूप से विभाजित कर दिया गया है लेकिन दोनों देशों के लोगों के हृदय में आज भी पारस्परिक भाईचारा, सौहार्द्र, स्नेह और सहानुभूति है। • राजनैतिक तौर पर भले ही संबंध तनावपूर्ण हों पर सामाजिक तौर पर आज भी जनता के बीच मोहब्बत का नमकीन स्वाद घुला है। • अमृतसर की सिख बीबी, पाकिस्तान का कस्टम अधिकारी और भारतीय सीमा पर तैनात कस्टम अधिकारी आज भी अपनी ज़मीन से प्यार करते हैं।	3
	(iii)	--	--	'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जाता, बल्कि दासता में वह स्थिति भी शामिल है, जिनमें कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्य का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। इस प्रकार की स्थिति में व्यक्ति को अपनी इच्छा के विरुद्ध पैतृक पेशे अपनाने पड़ते हैं। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है।	3
	(iv)	6(iv)	6(iv)	• श्रम-विभाजन में क्षमता और कार्यकुशलता के आधार पर काम का बँटवारा होता है, जबकि श्रमिक विभाजन में लोगों को जन्म के आधार पर बाँटकर पैतृक व्यवसाय को अपनाने के लिए विवश किया जाता है। • श्रम-विभाजन में व्यक्ति अपनी रुचि के अनुसार व्यवसाय का चयन करता है। श्रमिक विभाजन में व्यवसाय चयन की अनुमति नहीं होती।	3
	--	(i)	--	हैजे और मलेरिया के प्रकोप से ग्रसित पूरा गाँव एक असहाय, साधनहीन शिशु की तरह काँप रहा था। ऐसे में रात्रि के सन्नाटे में बजाई जानेवाली पहलवान की ढोलक ग्रामीणों को मौत का सामना करने की आंतरिक शक्ति देती थी। गाँववालों में एक नई जिजीविषा पैदा करती थी। महामारी से पीड़ित लोगों की नसों में बिजली दौड़ जाती थी, उनकी आँखों के आगे दंगल का दृश्य साकार हो जाता था और वे अपनी पीड़ा भूल मृत्यु का सामना निर्भय होकर करते थे ।	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	--	(ii)	--	'नमक' कहानी भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद सीमाओं के दोनों ओर विस्थापित-पुनर्वासित लोगों के दिलों को टटोलने वाली कहानी है। दोनों देशों की जनता प्रेम और मैत्री भाव से रहना चाहती है लेकिन देश विरोधी ताकतें वैमनस्य और कटुता फैलाकर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहती हैं। सफ़िया का लाहौर से नमक ले जाना और कस्टम अधिकारी सुनील दासगुप्त का नमक लेकर जाने देना यह सिद्ध करता है कि राजनीतिक दृष्टि से अलग-अलग देश होने के बावजूद भारत एवं पाकिस्तान के लोगों के दिलों में एक ही भाव मौजूद है । वह आपस में मिलने के लिए अत्यंत व्यग्र हैं। दोनों देशों के लोग मिल-जुलकर रहना चाहते हैं। उनके दिलों में कोई भेदभाव नहीं है।	3
	--	(iii)	--	आधार - • व्यक्ति की रुचि के आधार पर • व्यक्ति की कार्य-कुशलता के आधार पर • व्यक्ति की प्रतिभा, क्षमता और योग्यता के आधार पर आवश्यकता - सामाजिक गतिशीलता, लोकतंत्र, स्वतंत्रता एवं समता	1½+1½=3
	--	--	(i)	महामारी से ग्रसित, सन्नाटे पसरे गाँव में पहलवान की ढोलक जब रात को बजती थी तब भयानकता को चीरती थी गाँव के मरणासन्न लोगों में संजीवनी शक्ति का संचार हो जाता था। ढोलक बजते ही लोगों की आँखों के सामने दंगल का दृश्य नाचने लगता था। उनकी नसों में बिजली-सी दौड़ जाती थी। ढोलक की आवाज़ के कारण ही गाँव के मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी।	3
	--	--	(ii)	'नमक' कहानी भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद सीमा के दोनों तरफ के लोगों के दिलों को टटोलती कहानी है। लोगों को सीमा के आधार पर विभाजित कर देने भर से लोगों के मन की भावनाएँ विभाजित नहीं हो जातीं। जनसामान्य का लगाव अपने मूल स्थान से बना रहता है। पाकिस्तानी कस्टम अधिकारी, भारतीय कस्टम अधिकारी क्रमशः दिल्ली तथा ढाका को आज भी अपना वतन मानते हैं। भेदभाव के बीच सिख बीबी एवं सफ़िया तथा सफ़िया एवं कस्टम अधिकारी सुनील दासगुप्त के व्यवहार में जो प्रेम और सम्मान है उसके माध्यम से लेखिका यही बताना चाहती है कि सीमाओं के बँट जाने से लोगों के दिलों का बँटवारा नहीं हो सकता।	3
	--	--	(iii)	• ऐसा समाज जहाँ दूध-पानी की तरह लोग परस्पर मिलकर रहें । जिसमें स्वतंत्रता, समानता व भाईचारा हो। • समाज के बहुविध हितों में सबका भाग हो, सब उसकी रक्षा के प्रति सजग रहें । • सामाजिक जीवन में संपर्क के साधन व अवसर सबके पास उपलब्ध हों। इसी का नाम लोकतंत्र है।	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
प्रश्न 7	7i(a)	7i(a)	7i(a)	मोहनजोदड़ो के टूटे-फूटे खंडहरों को देखकर लेखक को यह आभास होता है कि मानो वहाँ अभी जीवन है। वह शहर के किसी मकान की दीवार पर पीठ टिकाकर आराम कर सकता है। रसोई की खिड़की पर खड़े होकर खाने की गंध महसूस कर सकता है। शहर की सूनी सड़कें, बैलगाड़ी की धीमी आवाज़ का संदेश सुनाती हैं। खंडहरों और उनसे मिले अवशेषों से सिंधु सभ्यता और संस्कृति के साथ वहाँ मानवता के चिह्न, धड़कती ज़िंदगियों को महसूस किया जा सकता है। उनके रहन-सहन, काम करने का ढंग, सोचने के तरीकों की कल्पना की जा सकती है।	3
	अथवा i(b)	**अथवा** i(b)	**अथवा** i(b)	ऐन फ्रैंक की डायरी अपने समय का एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नीदरलैंड्स पर जर्मनी का अधिकार हो जाने के बाद फ्रैंक का परिवार अज्ञातवास में चला गया था क्योंकि उस समय नाज़ियों की सांप्रदायिक नस्ली घृणा की अग्नि में लाखों यहूदियों को जलना पड़ा था। नाज़ी दमन के दस्तावेज़ के रूप में यह डायरी महत्त्वपूर्ण है। इतिहास के सबसे भयावह, आतंकप्रद और दर्दनाक अध्याय के प्रत्यक्ष अनुभव को एक तेरह वर्षीय बच्ची द्वारा इसमें प्रतिबिंबित किया गया है। तत्कालीन परिस्थितियों एवं सामाजिक-आर्थिक परिदृश्यों का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया गया है। **(छात्रों के अन्य तर्कसंगत उत्तर भी स्वीकार्य)**	3
	ii(a)	ii(a)	ii(a)	• खुदाई से प्राप्त अवशेषों में औज़ारों का मिलना परंतु हथियारों का नहीं - के आधार पर • वहाँ की नगर योजना, वास्तुशिल्प, मुहर-ठप्पों, पानी या साफ-सफाई जैसी सामाजिक व्यवस्थाओं आदि में एकरूपता के आधार पर • प्रभुत्व या दिखावे के तेवर के नदारद होने के आधार पर • भव्य महलों, मंदिरों और समाधियों के न होने के आधार पर • लघुता में भी महत्ता अनुभव करने वाली 'लो प्रोफाइल्स' संस्कृति के आधार पर **(कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)**	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	अथवा **ii(b)**	**अथवा** **ii(b)**	**अथवा** **ii(b)**	आमतौर पर युद्ध में लड़ने वाले वीर को जितनी तकलीफ़, पीड़ा, बीमारी और यंत्रणा से गुजरना पड़ता है, उससे कहीं अधिक तकलीफ़ें औरतें बच्चे को जन्म देते समय झेलती हैं । माँ बनने के बाद ढलते शरीर और आकर्षण के कारण पति एवं बच्चों की उपेक्षा का शिकार होना / उपेक्षित व्यवहार झेलना । औरत मानव जाति की निरंतरता को बनाये रखने के लिए अनेक तकलीफ़ों से गुजरती हुई संघर्ष करती है वह जितना संघर्ष करती है, उतना तो बड़ी-बड़ी डींगे हांकने वाले ये सारे सिपाही मिलकर भी नहीं करते । **(कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)**	2

****